nwda.gov.in

तीस्ता में बाढ़ से रंगपो में सर्वाधिक नुकसान, दर्जनों लापता

जगन दाहाल ● गंगटोक

उत्तरी सिक्किम की ग्लेशियर झील साउथ ल्होनक के पास बादल फटने से तीस्ता नदी में आई बाढ़ से रंगपो में सर्वाधिक नुकसान हुआ है। दर्जनों लोग लापता हैं। मंगलवार देर रात करीब 12:30 बजे झील के ऊपर बादल फट गया और प्रति सेकेंड 15 मीटर की गति से झील का जलस्तर बढ़ने के बाद बांध टूट गए। इससे लाचेन घाटी से बहने वाली तीस्ता नदी का जलस्तर 15 से 20 फीट ऊंचा हो गया। आगे चुंगथांग डैम टूटने से नदी में पानी और बढ़ गया, जिससे भारी तबाही हुई। एसडीआरएफ, एनडीआरएफ की टीमें राहत एवं बचाव कार्य में लगी हुई हैं।

सिंगताम में संकट में फंसी युवती को सीढ़ियों के सहारे सुरक्षित निकाला गया● एएनआइ

सिक्किम के मंगन, पाक्योंग, नामची और गंगटोक जिलों में सर्वाधिक क्षति हुई है। तीस्ता किनारे फार्मास्यूटिकल कंपनियों और जलविद्युत परियोजनाओं के परिसरों में नुकसान हुआ है। तीस्ता नदी के किनारे रहने वाले लगभग 15 हजार लोग प्रभावित हुए हैं।

- एसडीआरएफ, एनडीआरएफ जुटी है राहत एवं बचाव कार्य में
- सिक्किम के मंगन, पाक्योंग और गंगटोक जिलों में सर्वाधिक क्षति

बंगाल में भी असर

बाढ़ का असर बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले में भी पड़ा है। वहां निचले इलाकों से 11 हजार लोगों को हटाया गया है। मुख्य सचिव एचके द्विवेदी ने बताया कि तीस्ता बैराज से मिले तीन शवों की पहचान नहीं हो पाई है। प्रशासन ने एहतियात के तौर पर नदी के निचले जलग्रहण क्षेत्र से लोगों को निकालना शुरू कर दिया है।